पाठ 2: जॉर्ज पंचम की नाक

प्रश्न 1: जॉर्ज पंचम की नाक लगाने को लेकर भारतीय अधिकारियों की क्या मानसिकता थी?

RBSE 2020

RBSE 2025

जॉर्ज पंचम की नाक लगाने को लेकर भारतीय अधिकारियों में गहरी चिंता और बदहवासी थी। यह उनकी **गुलाम मानसिकता** को दर्शाता है। भारत आज़ाद हो चुका था, फिर भी वे एक क्रूर ब्रिटिश शासक (जॉर्ज पंचम) की नाक बचाने के लिए परेशान थे, केवल इसलिए ताकि आने वाली ब्रिटिश रानी नाराज़ न हो जाए। यह उनके आत्मसम्मान की कमी और विदेशियों को खुश करने की प्रवृत्ति को उजागर करता है।

प्रश्न 2: मूर्तिकार द्वारा जॉर्ज पंचम की लाट पर 'ज़िंदा नाक' लगाने का निर्णय किस बात का प्रतीक है?

RBSE 2022

Most Important

मूर्ति पर 'ज़िंदा नाक' लगाना इस बात का प्रतीक है कि भारतीय राजनेताओं और अधिकारियों के लिए विदेशियों की झूठी शान और इज़्ज़त (नाक) अपने ही देशवासियों की जान और सम्मान से अधिक महत्त्वपूर्ण थी। यह निर्णय हमारी व्यवस्था की असंवेदनशीलता और नैतिक पतन को दर्शाता है कि किसी ज़िंदा इंसान की नाक काटकर एक पत्थर की मूर्ति को 'इज़्ज़त' दी गई।

प्रश्न 3: अख़बारों ने ज़िंदा नाक लगने की खबर को किस प्रकार छापा?

RBSE 2024

RBSE 2026

अख़बारों ने इस शर्मनाक सच्चाई को छिपाते हुए केवल इतना लिखा कि "जॉर्ज पंचम की नाक का मसला हल हो गया है, और मूर्ति पर ऐसी नाक लगाई गई है जो बिल्कुल असली लगती है।" अख़बारों ने यह नहीं बताया कि वह वास्तव में किसी ज़िंदा व्यक्ति की नाक है। इसके अलावा, उस दिन अख़बारों में किसी भी तरह के जश्न, उद्घाटन या सम्मान समारोह की कोई खबर नहीं छपी; अख़बार खाली थे जो उनकी मूक असहमति और शोक का प्रतीक था।